नदी के किनारे यूरेनियम के प्रचुर भंडार हैं तथा उसी जिले में बेरिलियम निक्षेप होने की सूचना क्या अणुशक्ति विभाग के पास हैं ; और

(ख) क्या इन आण्विक खनिणों को उपयोग में लाने के लिये सरकार उचित कदम उठा रही है ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : (क) परमाणु शक्ति विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग द्वारा किये गए सर्वेक्षणों से मध्य प्रदेश के सीधी जिले में गोपद नदी के किनारे यूरेनियम के किन्हीं भंडारों का पता नहीं लगा । गोपद, मोहन और बामर नदियों के किनारों पर मोनाज़ाइट से युक्त काली रेतों के कुछ छोटे और बिखरे हुए खण्ड मिले हैं । सीधी जिले में डागा-बर्गवा गांव के नज़दीक केवल एक बेरिल पैगमेटाइट का पता लगा है ।

(ख) मोनाज़ाइट–युक्त पाई जाने वाली काली रेत थोड़ी और बिखरी हुई है इसलिये उसके उपयोग में लाये जाने का प्रश्न ही नहीं उठता । बेरिल रेडियो-एक्टिव् खनिज नहीं है और इसका विभागीय रूपण नहीं किया जाता । इस खनिज की खोज बीन और खनन के लिए गैर-सरकारी पार्टीयों को तकनीकी सलाह, नमूनों के निशुःशुल्क विश्लेषण आदि के रूप में सब सम्भव उत्साह और सहायता दी जाती है । निर्धारित न्यूनतम बेरिल युक्त अयस्क भी विभाग द्वारा खरीदा जाता है ।

शराब के आयात के लिए विदेशी मुद्रा

१४८९. **श्री उटिया : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:**

(क) **विदेशी शराब के आयात पर १९६०, १९६१ और १९६२ में १५ जुलाई तक कितनी विदेशी मुद्रा खर्च की गई ; और**

(ख) **महुए की शराब विदेशों को भेज कर कितनी विदेशी मुद्रा प्राप्त हुई ?**

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) और (ख) . भारत में आयात की गई तथा यहां से निर्यात की गई शराब का मूल्य निम्न प्रकार था :–

वर्ष	मूल्य (हजार रु० में) आयात	निर्यात
१९६० . .	५०४०	१
१९६१	३८२८	१०
१९६२ (जनवरी से मई तक शामिल करके) .	१२७	—

मई १९६२ से आगे की जानकारी उपलब्ध नहीं है । केवल महुआ की शराब के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि देश के व्यापार वर्गीकरण में इसको अलग से नहीं दिखाया जाता ।

Artificial Diamonds Industry

1490. Shri Umanath: Will the Minister of **Commerce and Industry** be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the artificial diamonds industry in the country is facing a serious crisis due to the shortage of synthetic diamonds (raw material diamonds);

(b) if so, what are the reasons for the appearance of this shortage of synthetic (raw material) diamonds suddenly;

(c) whether the raw material diamonds are produced within the country or imported or both;

(d) the extent of its production and the place where they are produced;

(e) what is the gap between requirement and actual production of raw material diamonds;

(f) whether any representations were received from any parts of the country and from where and from whom; and